माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय

विज्ञानशास्त्र 420 हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

[redacted]

उत्तर पुस्तिका का
क्रमांक B-23 1336451

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में	–	2	3	1	1	2	7	9	3	8

शब्दों में

BOARD OF SE...
माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. भोपाल

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रश्न पत्र का सेट A

क :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक तीन ग्रेड :-02

ख :– परीक्षा का दिनांक 28 03 2023

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

H.S.S. EXAM-2023 C.No.-11101

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
मनोज कुमार	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
विजय कुमार श्रीवास्तव शा.उ.मा.वि.करसरा परीक्षक क्र. 311789	ROOPA KUSHWAHA(U.M.S.) Govt.H.S.S. Dagdiha, SATNA V.No.-311996 Mob.No.-8424619373

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में | कुल प्राप्तांक अंकों में

②

योग पूर्व पृष्ठ + पृ[illegible]ंक = कुल अंक

EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न प्रश्न

www.oddyindia.com

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक - 01

(b) गेहूँ का भामा ।

(a) एगलॉल ।

(c) मशरूम ।

(d) आम ।

(c) अंगूर ।

(a) भारत ।

ST-16 A4

BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक – 02

2.

उ॰

दीमक का वैज्ञानिक नाम ओडोन्टोटर्मिस ओबेसस है।

चश्मा चढ़ाना कलिकायन का अन्य नाम है।

BSE

ूसा नन्हा पपीता की उन्नतशील किस्म है।

ल्लिका नीलम (मादा) तथा दशहरी (नर) का क्रास है।

डिहाइड्रेशन मशीन से सुखाने की एक विधि है।

(v)

ण्टर्स चैन की लम्बाई 66 फीट है।

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक - 03

3.

उ० 'अ' 'ब'

(i) मिलीबग → (c) चिपचिपे ट्रेप

(ii) मूँगफली → (d) टिक्का

(iii) मटर → (a) पाउडरी मिल्ड्यू

(iv) मशरूम → (क) रेम्नेसी

(v) केला → (e) म्यूजेसी

Oddy

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 16

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक – 04

4.
उ॰

(i) ऐगेरिकस बाइस्पोरस ।

(ii) लिन्चु ।

(iii) क्लोरोफाइटम बोरिविलियेनम ।

(iv) लैमियेसी या लैबियेटी ।

(v) नींबू घास / लेम्न घास ।

BSE
www.oddyindia.com
ST-16A4

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION,MADH ... M.BOARD OF SECONDARY EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक - 05

5.
उ०

सत्य ।

असत्य ।

सत्य ।

सत्य ।

असत्य ।

असत्य ।

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 16

EDUCATION, MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक – 06

6.

उ० ~~सिलिकेस~~ ~~क्रम~~ अथवा

बेसल ड्रेसिंग तथा टॉप ड्रेसिंग में अंतर

क्र.	बेसल ड्रेसिंग	टॉप ड्रेसिंग
(1)	खेत में समान रूप से उर्वरक छिड़कर मिलाना बेसल ड्रेसिंग कहलाता है।	खड़ी फसल में उर्वरक छिड़कना टॉप ड्रेसिंग कहलाता है।
(2)	बेसल ड्रेसिंग विधी में उर्वरक बीजों में मिलाकर कूड़ों में बो दिया जाता है।	टॉप ड्रेसिंग विधी में उर्वरक, राख तथा खेत की मृदा मिलाकर वर्षा के दिनों में पानी भरे स्थान पर रख दिया जाता है।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक – 07

7.

उ॰ पोटाशियम क्लोराइड तथा पोटाशियम सल्फेट में पोटाश तत्व की मात्रा निम्न है :–

क्र.	उर्वरक	तत्व
(i)	पोटाशियम क्लोराइड	~~48 – 52~~ 58–62
(ii)	पोटाशियम सल्फेट	48–52

Oddy

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक – 08

8.

उ. **विशेषताएँ :-** खरपतवारों की विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं –

(i) खरपतवार फसलों की अपेक्षा अधिक बीज पैदा करते हैं।

(ii) खरपतवार के बीजों की अंकुरण शक्ति बहुत समय तक बनी रहती है।

BSE

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक – 09

9.

उ. **गन्ने की पेड़ी**

परिभाषा :- जब गन्ने की फसल की कटाई के बाद दोबारा वह फसल उसकी जड़ों से पैदा हो जाती है तो उसे गन्ने की पेड़ी कहते हैं। दूसरे शब्दों, गन्ने की फसल की कटाई के बाद उसी खेत में बोई की गई फसल की जड़ों से नये पौधा पैदा होते हैं तथा उन पौधों से जो फसल तैयार होती है, उसे गन्ने की पेड़ी कहते हैं।

लाभ :- खाद और सिंचाई की उचित व्यवस्था रखी जाए तो उपज अच्छी प्राप्त होती है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक — 10

10.

उ॰ बीज द्वारा तथा वानस्पतिक प्रसारण में अंतर

क्र॰	बीज द्वारा प्रसारण	वानस्पतिक प्रसारण
(1)	बीज द्वारा नये पौधे तैयार करना, बीज द्वारा प्रसारण कहलाता है।	बीज के अतिरिक्त पौधों के किसी अन्य भाग से नये पौधे तैयार करना, वानस्पतिक प्रसारण कहलाता है
(2)	इस विधि में पैतृक गुणों में बदलाव आ जाता है।	इसमें पैतृक गुण नहीं बदलते हैं।

BSE

…ATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIO … ,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARD…

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक – 11

11. अथवा

उ०

लाभ :- पपेन के लाभ निम्न हैं –

(i) यह माँस मुलायम करने तथा गलाने के काम आता है।

(ii) पपेन से रिंगवर्म, टेपवर्म तथा पाचन संबंधी विकारों की दवाएँ बनाई जाती हैं।

BSE

12

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक – 12

अथवा

12.

उत्तर आँवला तथा संतरा के वानस्पतिक नाम निम्न हैं :–

क्र.	सामान्य नाम		वानस्पतिक नाम
(i)	आँवला	—	फाइलेन्थस एम्बलिका
(ii)	संतरा	—	साइट्रस रेटीकुलेटा

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक – 13

13.

उ० सुखाना तथा निर्जलीकरण में अंतर

क्र.	सुखाना	निर्जलीकरण
(i)	सुखाने का काम धूप में होता है।	निर्जलीकरण का काम मशीनों से होता है।
(ii)	सुखाने से रंग, सुगंध तथा स्वाद में अंतर आ जाता है।	निर्जलीकरण से रंग, सुगंध तथा स्वाद में अंतर आ जाता है।

BSE

(14) + = कुल अंक

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक – 14

14.

उ० पादप पोषक तत्वों की अनिवार्यता की कसौटी निम्न है :–

(i) पोषक तत्वों की कमी के कारण पौधे अपने जीवन-चक्र को पूरा नहीं कर सकते हैं।

(ii) यदि किसी तत्व की कमी के कारण कोई पौधा वानस्पतिक वृद्धि अथवा प्रजनन क्रिया पूर्ण नहीं कर पाता तो वह तत्व आवश्यक तत्व माना जाता है।

(iii) किसी तत्व की कमी के कारण यदि कोई चिन्ह पौधे पर दिखाई देते हैं और उस तत्व को पौधों को उपलब्ध कराने पर चिन्ह नष्ट हो जाते हैं तो वह तत्व आवश्यक तत्व है।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक – 15

15.

उ॰ खाद एवं उर्वरकों में अंतर

क्र.	खाद	उर्वरक
(i)	खाद में सभी आवश्यक पोषक तत्व उपस्थित होते है।	उर्वरक में एक या दो पोषक तत्व ही पाए जाते हैं।
(ii)	खाद को हम अधिक मात्रा में प्रयोग कर सकते हैं।	उर्वरकों को फसलों की आवश्यकतानुसार कम मात्रा में प्रयोग करते हैं।
(iii)	खाद से मृदा की जलधारण क्षमता बढ़ती है।	उर्वरकों के प्रयोग से मृदा की जलधारण क्षमता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक – 17

17.

उ॰ **सहकारिता :–**

अर्थशास्त्र के आधार पर आर्थिक संगठन का वह रूप, जिसमें कुछ व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण एवं मानवतापूर्ण ढंग से अपने आर्थिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु अपने प्रसाधनों स्वेच्छापूर्वक एकत्रित करते हैं, सहकारिता कहलाते हैं।

आधारभूत सिद्धांत :–

(i) **समानता का आधार :–** सहकारिता में सभी सदस्यों को समान अधिकार होते हैं। छोटे – बड़े, अमीर – गरीब आदि का भेदभाव नहीं होता है।

(ii) **सेवा का भाव :–** सहकारिता का उद्देश्य लाभ प्राप्त करना नहीं होता है। इसका उद्देश्य सेवा करना होता है।

(iii) **सबका कल्याण :–** इस प्रकार के संगठन में व्यक्तिगत स्वार्थ पर ध्यान नहीं दिया जाता है। इस प्रकार के उद्देश्यों में सब के हितों को ध्यान में रखा जाता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADH

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक – 18

18.

उ० जल निकास की आवश्यकताओं के कारण निम्न हैं:-

(i) सिंचाई के बाद तुरन्त वर्षा होने पर अतिरिक्त पानी निकालने के लिए।

(ii) लाभदायक जीवाणुओं की क्रियाशीलता में वृद्धि करने के लिए।

(iii) भूमि की भौतिक तथा रासायनिक दशा सुधारने के लिए।

(iv) भूमि में वायु संचार में वृद्धि करने के लिए।

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक – 19

19.

अरहर की खेती

(a) वानस्पतिक नाम :– केजेनस केजान ।

(b) बीज दर :– अरहर की मुख्य फसल के रूप में 12 – 15 कि.ग्रा बीज / हेक्टेयर तथा मिश्रित फसल के रूप में 5 – 6 कि.ग्रा बीज / हेक्टेयर लगता है ।

BSE

(c) स्टरलिकी मोजेक :– 'स्टरलिकी मोजेक' का प्रकोप तराई क्षेत्रों में तथा जहाँ पर अरहर पूरे वर्ष खड़ी रहती है, होता है । इस रोग के प्रकोप से कभी – कभी फसल शत – प्रतिशत नष्ट हो जाती है । इस रोग का संक्रमण सूक्ष्म कीट 'माइट्स' के द्वारा होता है । 'स्टरलिकी मोजेक का खेत के बाहर खड़े होकर में आसानी से पहचाना जा सकता है । इसके कारण पत्तियाँ पीली पड़कर झड़ जाती हैं । पौधों की वृद्धि रूक जाती है और शाखाएँ अधिक निकलती हैं जिससे पौधा झाड़ी

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

के आकार का लगने लगता है। पौधों पर फूल नहीं आते हैं यदि आते भी हैं तो फलियाँ नहीं बनती जिससे उपज पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

(d) **प्रमुख रोग :-**

(i) **उखटा :-** इससे पौधों की वृद्धि रुक जाता है। इस रोग की रोकथाम के लिए 3 से 4 वर्ष तक उस खेत में अरहर की फसल न ली जाए या कफूँदीनाशक दवा से बीजोपचार करें या कल्चर मिलाकर बोएँ।

(ii) **पीला मौजेक :-** इस रोग की रोकथाम के लिए मानोक्रोटोफास 750 मिली. दवा प्रति हेक्टेयर की दर छिड़काव करना चाहिए।

(e) **प्रमुख जातियाँ :-**

प्रभात, टाइप – 21, पंत A – 1, पंत A – 3, पूसा अगेती, बहार, टी – 17।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक – 20

20.

उ० टमाटर का सॉस या कैचप बनाने की विधी

(1) आवश्यक सामग्री :-

टमाटर, प्याज, अदरक, लहसुन, जीरा, नमक, लाल मिर्च, काली मिर्च, दाल – चीनी, धनिया, बे लौंग, जावित्री, सोडियम बेन्जोएट, एसीटिक अम्ल, चीनी आदि।

(2) फल का चयन एवं तैयारी :-

अच्छे पके हुए स्वस्थ टमाटरों का प्रयोग करना चाहिए। टमाटर में हरापन बिल्कुल नहीं होना चाहिए। चटनी (कैचप) की ब्रिक्स 28° होती है।

(3) रस पकाना :-

~~जाम~~ टमाटर के रस को स्वच्छ स्टील के बर्तन में पकाना चाहिए। चीनी का 2/3 भाग शुरू शुरू में तथा शेष भाग कैचप तैयार होने के बाद मिलाना चाहिए।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

(4) **मसाले मिलाना :-**

सभी मसाले को फ्रूट – पीसकर, कपड़े में बाँधकर पकते हुए रस में लटकाना चाहिए। यह ध्यान रहे के मसाले मे रस में डूबे रहें।

(5) **सावधानियाँ :-**

(i) अच्छे पके हुए स्वस्थ टमाटरों का प्रयोग करना चाहिए।

(ii) रस को लोहे के बर्तन में नहीं पकाना चाहिए क्योंकि लोहे से फैरिक टैनेट बनता है जो सॉस को काला बनाता है।

(iii) लौंग के फूल को डालग कर प्रयोग करना चाहिए क्योंकि लौंग के फूल में टैनिन होता है जिससे सॉस खराब हो जाता है।

(iv) चीनी का 2/3 भाग शुरू में तथा शेष भाग सॉस तैयार होने के बाद मिलाना चाहिए।

(v) फफूँद लगे मसाले, एसीटिक एसिड का सिरका आदि सॉस मे नहीं डालना चाहिए। मिलाते समय सॉस को आग से अलग कर देना चाहिए।

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर संख्या क्रमांक — 16

16.

उ० भारत के प्रमुख तीन शोभाकारी उद्यानों के नाम तथा उनके स्थान निम्न हैं :—

क्र.	उद्यानों के नाम	स्थान
(i)	मुगल गार्डन	दिल्ली
(ii)	हैंगिंग गार्डन	मुम्बई
(iii)	कमला नेहरू पार्क	मुम्बई